

DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST
TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR
PATORY,SAMASTIPUR
B.A –PART 2 PSYCHOLOGY (SUB)

LECTURE-8

मानसिक मनोरचना तथा इनके प्रकार (mental mechanisms:types)

मानसिक मनोरचना वह मानसिक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने id,ego,superego के बीच उत्पन्न संघर्ष को दूर करता है |यह सुरक्षात्मक प्रयास स्वयं व्यक्ति के लिए लाभदायक होता है क्योंकि उसका मानसिक तनाव या चिंता समाप्त हो जाती है तथा यह तरीका सामाजिक एवं नैतिक नियमों के भी अनुकूल होता है ।

उदाहरणस्वरूप _जैसे एक ब्राह्मण सम्प्रदाय का लड़का अपने से भिन्न जाती की लड़की के साथ शादी करना चाहता है लेकिन उसके समाज के लोग उसे इस बात की इजाजत नहीं देते हैं तो उसके मन में एक संघर्ष उत्पन्न होता है की वह सामाजिक नियमों को तोड़ कर इस लड़की

से शादी कर ले लेकिन फिर वह सोचता है की यह गलत है उसे अपने समाज के नियमो को नहीं तोड़ना चाहिए और वह अपनी इच्छा को दमित कर लेता है और उस लड़की से शादी नहीं करता है अर्थात वह अपने id,ego,superego के बीच उत्पन्न संघर्ष को दूर कर लेता है और अंत में सामाजिक नियमो के अनुसार ही चलता है |और उसकी यह इच्छा उसके अचेतन में दमित हो जाती है |

मनोरचना की परिभाषा :-मैकडॉनल्ड लैंडील के अनुसार मनोरचनाएँ “वे बाधाए है, जो अचेतन सामान्य विरोधी प्रवृत्तियों को चेतना में आने से रोकती है” |

ब्राउन के अनुसार -“ मनोरचनाएँ विविध प्रकार की चेतन व अचेतन प्रक्रियाएँ है जिसके द्वारा आंतरिक संघर्षों का निराकरण या न्यूनीकरण होना है” |

मैकडूवाल के अनुसार -“ मनोरचनाएँ वे प्रक्रियाएँ है जिनके द्वारा कुंडित मूलप्रवृत्तियाँ अप्रत्यक्ष रूप से समाज द्वारा मान्य तरीको से अपनी संतुष्टि करती है”|

types-

मनोरचना के प्रकार :- इसके दो प्रकार है |

1. प्राथमिक या मुख्य मानसिक मनोरचना (primary mental machanisms)

2. गौण मानसिक मनोरचना (secondary mental machanisms)

इसका वर्णन निम्नांकित है :-

(1) प्राथमिक या मुख्य मानसिक मनोरचना - मुख्य मानसिक या प्राथमिक मानसिक मनोरचना वे मनोरचनाएँ हैं जो स्वतंत्र रूप से या तो तनाव, संघर्ष एवं चिंता को दूर कर देती हैं या उनकी तीव्रता कम कर देती हैं। ऐसी मनोरचनाएँ में मानसिक संघर्षों से उत्पन्न तनाव को कम करने की शक्ति होती है।

इस श्रेणी में आने वाली मुख्य मनोरचनाएँ :-

(i) दमन (repression)

(ii) प्रतिगमन (regression)

(iii) प्रतिक्रिया निर्माण (reaction formation)

(iv) यौक्तिकीकरण (rationalization)

(v) रूपान्तर (conversion)

(vi) उदात्तीकरण (sublimation)

(2) गौण मानसिक मनोरचनाएँ - गौण मानसिक मनोरचना या अप्रधान मनोरचनाएँ से तात्पर्य वैसे मनोरचनाओं से होता है जो स्वतः; मानसिक संघर्ष से उत्पन्न तनाव आदि को दूर करने की क्षमता नहीं रखती हैं।

|परन्तु इन तनावों को कम करने में वे मुख्यतः अन्य मानसिक मनोरचनाओं की मदद करती हैं ।

इस श्रेणी में आने वाली प्रमुख मनोरचनाएँ हैं :-

(i) प्रक्षेपण (projection)

(ii) आत्मीकरण (identification)

(iii) अन्तःक्षेपण (interjection)

(iv) क्षतिपूर्ति एवं अतिक्षतिपूर्ति (compensation and over compensation)

(v) विस्थापन (displacement)

(vi) स्थानांतरण (transference)

(vii) नकारात्मक (negativism)

(viii) प्रत्याहार (withdrawal)

(ix) कल्पना तरंग या दिवास्वप्न (fantasy or daydream)